# भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद् देहरादून

## वार्षिक प्रतिवेदन
## 2005-2006

# वार्षिक प्रतिवेदन
# 2005 - 2006

भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद्
(पर्यावरण एवं वन मंत्रालय, भारत सरकार की एक स्वायत्त परिषद्)
देहरादून (उत्तरॉचल)

*संरक्षक :*
श्री जगदीश किशवान, भा.व.से.
महानिदेशक,
भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद्
देहरादून

*प्रकाशित :*
मीडिया एवं प्रकाशन प्रभाग
विस्तार निदेशालय,
भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद्
डाकघर – न्यू फॉरेस्ट, देहरादून–248 006 (उत्तरॉचल), भारत

*संकलन एवं सम्पादन*
डॉ. शशि कुमार, भा.व.से., उप महानिदेशक (विस्तार), भा.वा.अ.शि.प.
डॉ. रवीन्द्र कुमार, भा.व.से., सहायक महानिदेशक (मीडिया एवं प्रकाशन) भा.वा.अ.शि.प.
श्री अमित अस्थाना, भा.व.से., सहायक महानिदेशक (परियोजना सूत्रीकरण), भा.वा.अ.शि.प.

मार्च 2006

मुद्रक : माईक्रोसॉफ्ट टेक्नोप्रिन्ट (इ0) प्रा0लि0, देहरादून फोन : 0135–2715092

आवरण पृष्ठ : (1) पिक्रोराइजा कुरौया (2) पैकिंग बक्से (3) प्राकृतिक रंगों के पृथक्करण के लिए पाइलट प्लान्ट
(4) प्राकृतिक रंग (5) स्कीफिफोरा हाइड्रोफाइलेसीया गेर्टन

# प्राक्कथन

भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद् वानिकी के सभी पहलुओं पर अनुसंधान, शिक्षा और विस्तार की आवश्यकता आधारित आयोजना, प्रोत्साहन, संचालन एवं सम्न्वयन करके राष्ट्रीय स्तर पर वानिकी अनुसंधान के विकास के लिए प्रयासरत है।

परिषद् विश्व चिन्ताओं यथा – जलवायु परिवर्तन, जैविकीय विविधता का संरक्षण, रेगिस्तानिकरण को रोकना और संसाधनों के सतत् प्रबन्ध एवं विकास सहित इस सेक्टर में उभर रहे विषयों के अनुरूप समाधान आधारित वानिकी अनुसंधान करती है। परिषद् द्वारा सामयिक अनुसंधान, प्राकृतिक संसाधन प्रबन्ध से संबंधित चुनौतियों का सफलतापूर्वक संचालन करने के लिए, वन प्रबंधकों एवं शोधार्थियों की क्षमता में लोगों के विश्वास को बढ़ाता है।

परिषद् सहयोगी अनुसंधान को उच्च प्राथमिकता देती है। यू.एस. पर्यावरणीय सुरक्षा एजेन्सी (यू एस ई पी ए) और यूरोपियन यूनियन के साथ सहयोग से स्वच्छ विकास क्रियाविधि (सी.डी.एम) के लिए न्यूनीकरण क्षमता कार्यपद्धति एवं जलवायु परिवर्तन के क्षेत्र में संयुक्त अनुसंधान, काष्ठ कर्म पर प्रशिक्षण के क्षेत्र में इटालियन व्यापार आयोग और इटालियन वुड वर्किंग मशीनरी मैनुफैक्चरर एसोसिएशन के साथ सहयोग, एशिया प्रशान्त महासागर क्षेत्र में वन आनुंवाशिकी संसाधन एवं आक्रामक प्रजाति नेटवर्क की स्थापना करना परिषद् की अन्तर्राष्ट्रीय सहयोगी उपलब्धियों की कुछ झलकियां हैं।

राष्ट्रीय स्तर पर परिषद् ने परस्पर लाभदायक अनुसंधान करने के लिए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डी एस टी), वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद् (सी एस आई आर), कृषि और ग्रामीण विकास के लिए राष्ट्रीय बैंक (नोबोड), राष्ट्रीय तेल बीज एवं वनस्पति तेल विकास बोर्ड (नोबोड), राष्ट्रीय औषधीय पादप बोर्ड (एन एम पी बी) तथा अनेकों राज्य संगठनों जैसी निधीयन एजेन्सियों के साथ संबंध स्थापित किए हैं। राष्ट्रीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय दाता एजेन्सियों की सहायता से निधीयित परियोजनाओं का एक सार–संग्रह तैयार किया गया है।

शिक्षण एवं अनुसंधान क्षमताओं में सुधार करने के लिए देश भर में वानिकी शिक्षा प्रदान करने वाले विभिन्न विश्वद्यिालयों को, उनकी अवसंरचना को सशक्त बनाने के दृष्टिकोण से, वित्तीय सहायता उपलब्ध कराकर वानिकी शिक्षा को प्रोत्साहित किया जा रहा है। वानिकी शिक्षा की गुणवत्ता और वन अनुसंधान संस्थान सम–विश्वविद्यालय के वानिकी विद्यार्थियों के परवर्ती नियोजन पर अधिक जोर दिया गया है। व.अ.सं. सम–विश्वविद्यालय की क्षमताओं को आगे बढ़ाने तथा इसकी स्वयं की प्रणाली में सुधार के लिए भी प्रसिद्ध विदेशी वानिकी शिक्षा संस्थानों के साथ संबंध स्थापित करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

यह रिपोर्ट वानिकी अनुसंधान के सन्दर्भ में परिषद् के अनुसंधान, शिक्षा एवं विस्तार कार्यकलापों पर एक अन्तर्दृष्टि उपलब्ध कराती है। मुझे भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद् की वार्षिक रिपोर्ट 2005–2006 प्रस्तुत करते हुए खुशी हो रही है। मुझे आशा है कि यह रिपोर्ट नीति–निर्माताओं, आयोजकों, विकास एजेन्सियों और उन सभी के लिए एक उपयोगी सन्दर्भ के रूप में कार्य करेगी, जिनकी वानिकी में साझेदारी है।

**(जगदीश किशवान)**
महानिदेशक
भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद्
देहरादून –248006

दिनांक : 21 अगस्त, 2006

# भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद् की संगठनात्मक संरचना